an>

Title: Reported deaths caused by Japanese encephalitis in U.P., Bihar and other parts of the country.

अध्यक्ष महोदया : योगी आदित्यनाथ जी, आप बोलिये।

*m01

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदया, पिछले 31 वर्षों से पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी-उत्तर बिहार की बहुत बड़ी आबादी एक महामारी की चपेट में है और प्रतिवर्ष हजारों मासूम बच्चों की मौतें उस बीमारी के कारण होती हैं। 1978 में पहली बार जापानी इनसिफलाइटिस नाम की बीमारी पूर्वी उत्तर प्रदेश में फैली थी। पिछले 31 वर्षों से अब तक इस बीमारी के उन्मूलन के बारे में न तो प्रदेश सरकार ने और न ही केन्द्र सरकार ने कोई ठोस कदम उठाया है। आज यह बीमारी देश के 25 राज्यों और कुछ केन्द्रशासित प्रदेशों में भी अपने पैर फैला चुकी है। खास तौर से पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रति वर्ष जापानी इनसिफलाइटिस से जो मौतें होती हैं, उनके कुछ आंकड़े मैं सदन के सामने रखना चाहूंगा। अभी पिछले दिनों भारत सरकार ने वहां पर एक कमेटी भी भेजी थी। वर्ष 2005 में केवल बी.आर.डी. मैडिकल कॉलेज, गोरखपुर में ही 937 मौतें हुई थीं, वर्ष 2006 में 431 मौतें बी.आर.डी. मैडिकल कॉलेज में हुई थीं, वर्ष 2007 में 516 मौतें हुई थीं और पिछले वर्ष 410 मासूम बच्चों की मौतें बी.आर.डी. मैडिकल कॉलेज में हुई थीं। इस वर्ष 10 जुलाई तक 98 मौतें मस्तिष्क ज्वर से बी.आर.डी. मैडिकल कॉलेज में हो चुकी हैं। यह जापानी इनसिफेलाइटिस एक प्रकार की महामारी है और बरसात के बाद लगभग 15 जून के बाद से इसका कहर बरपना शुरू होता है और यह कहर अक्टूबर-नवम्बर तक चलता है। एनडीए सरकार के समय वृहद स्तर पर इसके टीकाकरण के लिए उस क्षेत्र को चुना गया था और वह कार्य 4-5 वर्षों तक चलता रहा। यह दुखःद है कि अब तक 98 मौतें होने बाद भी, इस बार न तो वहां वैक्सिनेशन हुआ है और न ही इस बीमारी के उन्मूलन की दिशा में कोई ठोस कदम उठाए गए हैं।

महोदया, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करूंगा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, श्रावस्ती, बलरामपुर आदि जनपद नेपाल के तराई क्षेत्र में पड़ते हैं। पश्चिम उत्तर बिहार का क्षेत्र भी नेपाल की तराई का क्षेत्र है। इनसिफेलाइटिस, मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, कालाजार जैसी विषाणु जनित बीमारियों से प्रतिवर्ष हजारों मौत होती हैं। राज्य सरकार ने इस क्षेत्र की पूरी तरह उपेक्षा की है और उसके पास संसाधनों की कमी है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि वह इन विषाणु जनित बीमारियों के उपचार और उन्मूलन की दिशा में ठोस प्रयास अपने स्तर पर करे। केंद्र सरकार के द्वारा राज्य सरकार को जो संसाधन उपलब्ध कराये जाते हैं, उन संसाधनों का भी बेहतर उपयोग नहीं किया जाता है। इस बार भी वैक्सिनेशन नहीं हुआ है और इससे लगता है कि वहां पर लापरवाही बरती जा रही है। एनडीए सरकार के समय गोरखपुर में एक वायरल रिसर्च सेंटर स्थापित किया गया था और उसके लिए कार्य करना भी प्रारम्भ कर दिया था।

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त कीजिए।

योगी आदित्यनाथ : महोदया, वायरल रिसर्च सेंटर स्थापित होने के बाद अब तक वह प्रारम्भ नहीं हो पाया है। वहां पर वायरलोजिस्ट और अन्य स्टॉफ की नियुक्ति होनी चाहिए थी, वैसे भी बी.आर.डी. मैडिकल कॉलेज अपने आर्थिक संसाधनों के मामले में काफी कमजोर स्थिति में है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर बिहार और नेपाल के एक बहुत बड़े भू-भाग के स्वास्थ्य का भार बी.आर.डी. मैडिकल कॉलेज पर पड़ता है और वह इसे वहन नहीं कर पाता है।

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त कीजिए।

योगी आदित्यनाथ : महोदया, मेरा आपसे अनुरोध है कि भारत सरकार अपने स्तर पर इन विषाणु जनित बीमारियों के उपचार की दिशा में संसाधन मुहैया कराए। तीन करोड़ की आबादी के स्वास्थ्य की आपूर्ति बी.आर.डी. मैडिकल कॉलेज से होती है इसलिए इसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का दर्जा दिया जाए।

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त कीजिए और अपना आसन ग्रहण कीजिए। Nothing will go on record except what Dr. Charan Das Mahant says.

*(Interruptions)**